नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

हिंदी विश्वविद्यालय में काव्य संध्या का आयोजन

वर्धा दि. 5 सितंबर 2015 : वर्धा लेखक संघ की ओर से हिंदी विश्वविद्यालय के हबीब तनवीर सभागार में काव्य संध्या का आयोजन किया गया। लेखक संघ की ओर से यह पहला मौका था जिसमे न सिर्फ हिन्दी और मराठी भाषा के प्रौढ़ कवियों ने शिरकत किया, बल्कि विश्वविद्यालय के नवांकुर कवियों ने भी अपनी कविता से काव्य संध्या को जिवंत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ.राजेंद्र प्रसाद मिश्र ने की। समय की कहानी कविता की जुबानी के केंद्रीय भाव से संचालित इस काव्य संध्या के संचालक संजीव मजदूर झा ने कहा कि आज का समय वाकई कठिन है। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी के दमन के रूप में कन्नड के प्रख्यात कवि एम॰ एम॰ कालबुर्गी की हत्या कर दी गई। कालबुर्गी की हत्या के कड़े शब्दों में विरोध के साथ ही काव्य-पाठ की शुरुआत की गयी। नुतन मलावी, राजेंद्र मुंड़े, सुषमा पाखरे, मनोज पाण्डेय, हुस्न तबस्तुम, शैलेंद्र कुमार और विश्वविद्यालय के बीसियों कवियों ने प्रतिरोध की कविता कैसी होनी चाहिए की मिसाल पेश की। डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र ने विश्वव्यापी संकटों से संबन्धित स्वयं द्वारा अनुवादित कविताओं के माध्यम से सामने रखा। वर्धा लेखक संघ के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कहा कि हमे इस तरह के कार्यक्रमों पर ज़ोर देने की आवश्यकता है। भविष्य में भाषाओं के संघम के आधार पर सामाजिक विषमताओं को दूर किया जा सके। उन्होंने घोषणा की कि इस तरह के कार्यक्रम आगे विश्वविद्यालय के अलावा शहर भी करते रहेंगे।